



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, 10 नवम्बर, 2003/19 कार्तिक, 1925

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्यालय उपायुक्त, शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश

कार्यालय आदेश

शिमला-1, 29 सितम्बर, 2003

संख्या पी सी एच-एस एम एल (दो बच्चे)/2002-7009-16. —यह कि खण्ड विकास अधिकारी ठियोग से प्राप्त सूचना अनुसार श्री चमन लाल, सदस्य, वार्ड संख्या 5, ग्राम पंचायत धमान्दरी ने अपनी दो जीवित सन्तान के होते हुए दिनांक 28-9-2001 को तीसरी सन्तान पैदा करके हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) की उल्लंघना की है इस सम्बन्ध में उसे इस कार्यालय के पत्र संख्या पी सी एच-एस एम एल (दो बच्चे)/2002-251-57, दिनांक 5-8-2003 के अन्तर्गत जारी नोटिस अनुसार अपना पक्ष प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया था।

यह कि उक्त श्री चमन लाल, सदस्य, वार्ड नं० 5, ग्राम पंचायत धमान्दरी ने इस कार्यालय द्वारा जारी उक्त नोटिस के सम्बन्ध में अपने पत्र दिनांक 25-8-2003 के अन्तर्गत प्रेषित उत्तर में इस बात को सही माना है कि दो जीवित सन्तानों के होते हुए उनकी तीसरी सन्तान दिनांक 28-9-2001 को पैदा हुई है।

यह कि खण्ड विकास अधिकारी, ठियोग की रिपोर्ट अनुसार उक्त श्री चमन लाल, सदस्य, वार्ड नं० 5, ग्राम पंचायत धमान्दरी की तीसरी सन्तान उत्पन्न हुई है। जिससे स्पष्ट होता है कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 की धारा

19 द्वारा अन्त स्थापित खण्ड (ण) की उल्लंघना करते हुये 8-6-2001 के पश्चात् अर्थात् 28-9-2001 को तीसरी सन्तान पैदा करके वह उक्त ग्राम पंचायत के सदस्य पद पर बने रहने के लिए निरहित हो गया है।

अतः मैं, एस0 के0 बी0 एस0 नेगी, उपायुक्त, शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा-122 (2) के अन्तर्गत निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुये, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की संशोधित धारा 122 (1) (ण) की उल्लंघना करने पर श्री चमन लाल, सदस्य, वार्ड संख्या 5, ग्राम पंचायत धमान्दरी को ग्राम पंचायत सदस्य पद पर बने रहने के लिये आयोग्य घोषित करता हूँ तथा उक्त अधिनियम की धारा 131 (2) के अन्तर्गत ग्राम पंचायत धमान्दरी के वार्ड संख्या 5 के सदस्य पद को रिक्त घोषित कर यह आदेश देता हूँ कि उसके पास ग्राम पंचायत की किसी भी प्रकार की कोई देनदारी हो तो उसे तुरन्त सम्बन्धित ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी अथवा पंचायत सहायक, ग्राम पंचायत धमान्दरी को सौंप दें।

शिमला-1, 29 सितम्बर, 2003

संख्या पी सी एच-एस एम एल (दो बच्चे)/2002-7001-08. —यह कि खण्ड विकास अधिकारी मशोबरा से प्राप्त सूचना अनुसार श्री देवेन्द्र कुमार, सदस्य, वार्ड संख्या 1, ग्राम पंचायत बलोग ने अपनी तीन जीवित सन्तान के होते हुए दिनांक 10-12-2001 को चौथी सन्तान पैदा करके हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) की उल्लंघना की है इस सम्बन्ध में उसे इस कार्यालय के पत्र संख्या पी सी एच-एस एम एल (दो बच्चे)/2002-279-85, दिनांक 5-8-2003 के अन्तर्गत जारी नोटिस अनुसार अपना पक्ष प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया था।

यह कि उक्त श्री देवेन्द्र कुमार, सदस्य, ग्राम पंचायत बलोग ने इस कार्यालय द्वारा जारी उक्त नोटिस के सम्बन्ध में प्रपने पत्र दिनांक 23-8-2003 के अन्तर्गत प्रेषित उत्तर में लिखा है कि उन्होंने पहले ही सदस्य के पद से अपना त्याग-पत्र दे दिया है।

यह कि खण्ड विकास अधिकारी, मशोबरा की रिपोर्ट अनुसार उक्त श्री देवेन्द्र कुमार, सदस्य, ग्राम पंचायत बलोग की चौथी सन्तान उत्पन्न हुई है। जिससे स्पष्ट होता है कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 की धारा 19 द्वारा अन्त स्थापित खण्ड (ण) की उल्लंघना करते हुये 8-6-2001 के पश्चात् अर्थात् 10-12-2001 को चौथी सन्तान पैदा करके वह उक्त ग्राम पंचायत के सदस्य पद पर बने रहने के लिये निरहित हो गया है।

अतः मैं, एस0 के0 बी0 एस0 नेगी, उपायुक्त, शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (2) के अन्तर्गत निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुये, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की संशोधित धारा 122 (1) की उल्लंघना करने पर श्री देवेन्द्र कुमार, सदस्य, वार्ड संख्या 1, ग्राम पंचायत बलोग को ग्राम पंचायत सदस्य पद पर बने रहने के आयोग्य घोषित करता हूँ तथा उक्त अधिनियम की धारा 131 (2) के अन्तर्गत ग्राम पंचायत बलोग के वार्ड संख्या-1 के सदस्य पद को रिक्त घोषित कर यह आदेश देता हूँ कि उसके पास ग्राम पंचायत की किसी भी प्रकार की कोई देनदारी हो तो उसे तुरन्त सम्बन्धित ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी अथवा पंचायत सहायक, ग्राम पंचायत बलोग को सौंप दें।

शिमला-1, 29 सितम्बर, 2003

संख्या पीसीएच-एसएमएल (दो बच्चे)/2002-8053-60.—यह कि खण्ड विकास अधिकारी, ठियोग से प्राप्त सूचना अनुसार श्री इन्द्र सिंह, उप-प्रधान, ग्राम पंचायत मुण्डू ने अपनी तीसरी जीवित सन्तान के होते हुए दिनांक 14-7-2002 को चौथी सन्तान पैदा करके हि0 प्र0 पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) (ण) की उल्लंघना की है इस सम्बन्ध में उसे इस कार्यालय के पत्र संख्या पीसीएच-एसएमएल (दो बच्चे)/2002-237-43, दिनांक 5-8-2003 के अन्तर्गत जारी नोटिस अनुसार अपना पक्ष प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया था।

यह कि उक्त श्री इन्द्र सिंह, उप-प्रधान, ग्राम पंचायत, मुण्डू को इस कार्यालय द्वारा जारी उक्त नोटिस के सम्बन्ध में उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है जबकि विहित अवधि भी समाप्त हो चुकी है। इससे स्पष्ट है कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ भी नहीं कहना है।

यह कि खण्ड विकास अधिकारी, ठियोग की रिपोर्ट अनुसार उक्त श्री इन्द्र सिंह, उप-प्रधान, ग्राम पंचायत मुण्डू की चौथी सन्तान उत्पन्न हुई है। जिससे स्पष्ट होता है कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) तथा हि० प्र० पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 की धारा 19 द्वारा अन्तःस्थापित खण्ड (ण) की उल्लंघना करते हुए 8-6-2001 के पश्चात् अर्थात् 14-7-2002 को चौथी सन्तान पैदा करके वह उक्त ग्राम पंचायत के उप-प्रधान पद पर बने रहने के लिए निहित हो गए हैं।

अतः मैं, एस० के० बी० एस० नेगी, उपायुक्त, शिमला, जिला शिमला हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (2) के अन्तर्गत निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की संशोधित धारा 122 (1) (ण) की उल्लंघना करने पर श्री इन्द्र सिंह, उप-प्रधान, ग्राम पंचायत मुण्डू, को ग्राम पंचायत उप-प्रधान पद पर बने रहने के लिए आयोग्य घोषित करता हूँ तथा उक्त अधिनियम की धारा 131 (2) के अन्तर्गत ग्राम पंचायत मुण्डू के उप-प्रधान पद को रिक्त घोषित कर यह आदेश देता हूँ कि उसके पास ग्राम पंचायत की किसी भी प्रकार की कोई देनदारी हो तो उसे तुरन्त सम्बन्धित ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी अथवा पंचायत सहायक, ग्राम पंचायत मुण्डू को सौंप दें।

शिमला-1, 29 सितम्बर, 2003

संख्या पीसीएच-एसएमएल (दो वच्चे)/2002-8061-68.—यह कि खण्ड विकास अधिकारी ठियोग, से प्राप्त सूचना अनुसार श्री दौलत राम, सदस्य, वार्ड नं० 5, ग्राम पंचायत बलधार ने अपनी दूसरी जीवित सन्तान के होते हुए दिनांक 7-2-2002 को तीसरी सन्तान पैदा करके हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) (ण) की उल्लंघना की है इस सम्बन्ध में उसे इस कार्यालय के पत्र संख्या पीसीएच-एसएमएल (दो वच्चे)/2002-258-64, दिनांक 5-8-2003 के अन्तर्गत जारी नोटिस अनुसार अपना पक्ष प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया था।

यह कि उक्त श्री दौलत, राम, सदस्य, ग्राम पंचायत, बलधार को इस कार्यालय द्वारा जारी उक्त नोटिस के सम्बन्ध में उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है जबकि विहित अवधि भी समाप्त हो चुकी है। इससे स्पष्ट है कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ भी नहीं कहना है।

यह कि खण्ड विकास अधिकारी, ठियोग की रिपोर्ट अनुसार उक्त श्री दौलत राम, सदस्य, वार्ड नं० 5, ग्राम पंचायत बलधार की तीसरी सन्तान उत्पन्न हुई है। जिससे स्पष्ट होता है कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) तथा हि० प्र० पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 की धारा 19 द्वारा अन्तःस्थापित खण्ड (ण) की उल्लंघना करते हुए 8-6-2001 के पश्चात् अर्थात् 7-2-2002 को तीसरी सन्तान पैदा करके वह उक्त ग्राम पंचायत के सदस्य पद पर बने रहने के लिए निहित हो गया है।

अतः मैं, एस० के० बी० एस० नेगी, उपायुक्त, शिमला, जिला शिमला, हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (2) के अन्तर्गत निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की संशोधित धारा 122 (1) (ण) की उल्लंघना करने पर श्री दौलत राम, सदस्य, वार्ड नं० 5, ग्राम पंचायत बलधार को ग्राम पंचायत सदस्य पद पर बने रहने के लिए आयोग्य घोषित करता हूँ तथा उक्त अधिनियम की धारा 131 (2) के अन्तर्गत ग्राम पंचायत बलधार के वार्ड संख्या 5 के सदस्य पद को रिक्त घोषित कर यह आदेश देता हूँ कि उसके पास ग्राम पंचायत की किसी भी प्रकार की कोई देनदारी हो तो उसे तुरन्त सम्बन्धित ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी अथवा पंचायत सहायक, ग्राम पंचायत बलधार को सौंप दें।

शिमला-1, 29 सितम्बर, 2003

संख्या पी सी एच-एस एम एल (दो बच्चे)/2002-8069-76.—यह कि खण्ड विकास अधिकारी ठियोग से प्राप्त सूचना अनुसार श्री महेन्द्र सिंह, सदस्य, वार्ड नं० 5, ग्राम पंचायत बगैण ने अपनी दूसरी जीवित सन्तान के होते हुए दिनांक 18-7-2002 को तीसरी सन्तान पैदा करके हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(1) (ण) की उल्लंघना की है। इस सम्बन्ध में उसे इस कार्यालय के पत्र संख्या पी सी एच-एस एम एल (दो बच्चे)/2002-230-36, दिनांक 5-8-2003 के अन्तर्गत जारी नोटिस अनुसार अपना पक्ष प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया था।

यह कि उक्त श्री महेन्द्र सिंह, सदस्य, ग्राम पंचायत बगैण को इस कार्यालय द्वारा जारी उक्त नोटिस के सम्बन्ध में उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है जबकि विहित अवधि भी समाप्त हो चुकी है। इससे स्पष्ट है कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ भी नहीं कहना है।

यह कि खण्ड विकास अधिकारी, ठियोग की रिपोर्ट अनुसार उक्त श्री महेन्द्र सिंह, सदस्य, वार्ड नं० 5, ग्राम पंचायत बगैण की तीसरी सन्तान उत्पन्न हुई है। जिससे स्पष्ट होता है कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(1) तथा हि० प्र० पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 की धारा 19 द्वारा अन्तःस्थापित खण्ड (ण) की उल्लंघना करते हुए 8-6-2001 के पश्चात् अर्थात् 18-7-2002 को तीसरी सन्तान पैदा करके वह उक्त ग्राम पंचायत के सदस्य पद पर बने रहने के लिए निरहित हो गया है।

अतः मैं, एस० के० वी० एस० नेगी, उपायुक्त, शिमला, जिला शिमला, हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(2) के अन्तर्गत निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की संशोधित धारा 122(1) (ण) की उल्लंघना करने पर श्री महेन्द्र सिंह, सदस्य, वार्ड संख्या 5, ग्राम पंचायत बगैण, को ग्राम पंचायत सदस्य पद पर बने रहने के लिए अयोग्य घोषित करता हूँ तथा उक्त अधिनियम की धारा 131(2) के अन्तर्गत ग्राम पंचायत बगैण के वार्ड संख्या 5 के सदस्य पद का रिक्त घोषित कर यह आदेश देता हूँ कि उसके पास ग्राम पंचायत की किसी भी प्रकार की कोई देनदारी हो तो उसे तुरन्त सम्बन्धित ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी अथवा पंचायत सहायक, ग्राम पंचायत बगैण को सौंप दे।

शिमला-1, 29 सितम्बर, 2003

संख्या पी सी एच-एस एम एल (दो बच्चे)/2002-8077-84.—यह कि खण्ड विकास अधिकारी, ठियोग से प्राप्त सूचना अनुसार श्रीमती चम्पा देवी, सदस्या, वार्ड नं० 1, ग्राम पंचायत बलग ने अपनी चौथी जीवित सन्तान के होते हुए दिनांक 15-11-2001 को पांचवीं सन्तान पैदा करके हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(1) (ण) की उल्लंघना की है। इस सम्बन्ध में उसे इस कार्यालय के पत्र संख्या पी सी एच-एस एम एल (दो बच्चे)/2002-244-50, दिनांक 5-8-2003 के अन्तर्गत जारी नोटिस अनुसार अपना पक्ष प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया था।

यह कि उक्त श्रीमती चम्पा देवी, सदस्या, ग्राम पंचायत बलग को इस कार्यालय द्वारा जारी उक्त नोटिस के सम्बन्ध में उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है, जबकि विहित अवधि भी समाप्त हो चुकी है। इससे स्पष्ट है कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है।

यह कि खण्ड विकास अधिकारी, ठियोग की रिपोर्ट अनुसार उक्त श्रीमती चम्पा देवी, सदस्या, वार्ड नं० 1, ग्राम पंचायत बलग की पांचवीं सन्तान उत्पन्न हुई है। जिससे स्पष्ट होता है कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(1) तथा हि० प्र० पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 की धारा 19 द्वारा अन्तःस्थापित खण्ड (ण) की उल्लंघना करते हुए 8-6-2001 के पश्चात् अर्थात् 15-11-2001 को पांचवीं सन्तान पैदा करके वह उक्त ग्राम पंचायत के सदस्य पद पर बने रहने के लिए निरहित हो गई है।

अतः मैं, एस० के० बी० एस० नेगी, उपायुक्त, शिमला, जिला शिमला, हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(2) के अन्तर्गत निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की संशोधित धारा 122(1) (ण) की उल्लंघना करने पर श्रीमती चम्पा देवी, मदस्या, वार्ड संख्या 1, ग्राम पंचायत बलग को ग्राम पंचायत सदस्या पद पर बने रहने के लिए अयोग्य घोषित करता हूँ तथा उक्त अधिनियम की धारा 131(2) के अन्तर्गत ग्राम पंचायत बलग के वार्ड संख्या 1 के सदस्या पद को रिक्त घोषित कर यह आदेश देता हूँ कि उसके पास ग्राम पंचायत की किसी भी प्रकार की कोई देनदारी हो तो उसे तुरन्त सम्बन्धित ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी अथवा पंचायत सहायक, ग्राम पंचायत बलग को सौंप दे।

शिमला-1, 29 सितम्बर, 2003

संख्या पी सी एच-एस एम एल (दो बच्चे)/2002-8085-92. —यह कि खण्ड विकास अधिकारी ठियोग से प्राप्त सूचना अनुसार श्रीमती विद्या देवी उर्फ बबली, सदस्या, वार्ड नं० 5, ग्राम पंचायत माहौग ने अपनी तीसरी जीवित सन्तान के होते हुए दिनांक 20-7-2002 को चौथी सन्तान पैदा करके हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(1) (ण) की उल्लंघना की है इस सम्बन्ध में उसे इस कार्यालय के पत्र संख्या पी सी एच-एस एम एल (दो बच्चे)/2002-222-29, दिनांक 5-8-2003 के अन्तर्गत जारी नोटिस अनुसार अपना पक्ष प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया था।

यह कि उक्त श्रीमती विद्या देवी उर्फ बबली, मदस्या, ग्राम पंचायत माहौग को इस कार्यालय द्वारा जारी उक्त नोटिस के सम्बन्ध में उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है जबकि विहित अवधि भी समाप्त हो चुकी है। इससे स्पष्ट है कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ भी नहीं कहना है।

यह कि खण्ड विकास अधिकारी, ठियोग की रिपोर्ट अनुसार उक्त श्रीमती विद्या देवी उर्फ बबली, मदस्या, वार्ड नं० 5, ग्राम पंचायत माहौग की चौथी सन्तान उत्पन्न हुई है। जिससे स्पष्ट होता है कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(1) तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 की धारा 19 द्वारा अन्तःस्थापित खण्ड (ण) की उल्लंघना करते हुए 8-6-2001 के पश्चात् अर्थात् 20-7-2002 को चौथी सन्तान पैदा करके वह उक्त ग्राम पंचायत के सदस्या पद पर बने रहने के लिए निरर्हित हो गई है।

अतः मैं, एस० के० बी० एस० नेगी, उपायुक्त, शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(2) के अन्तर्गत निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की संशोधित धारा 122(1) (ण) की उल्लंघना करने पर श्रीमती विद्या देवी उर्फ बबली, सदस्या, वार्ड संख्या 5, ग्राम पंचायत माहौग को ग्राम पंचायत सदस्या पद पर बने रहने के लिए अयोग्य घोषित करता हूँ तथा उक्त अधिनियम की धारा 131(2) के अन्तर्गत ग्राम पंचायत, माहौग के वार्ड संख्या 5 के सदस्या पद को रिक्त घोषित कर यह आदेश देता हूँ उसके पास ग्राम पंचायत की किसी भी प्रकार की कोई देनदारी हो तो वह उसे तुरन्त सम्बन्धित ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी अथवा पंचायत सहायक, ग्राम पंचायत माहौग को सौंप दे।

शिमला-1, 29 सितम्बर, 2003

संख्या पी सी एच-एस एम एल (दो बच्चे)/2002-8093-9000. —यह कि खण्ड विकास अधिकारी ठियोग से प्राप्त सूचना अनुसार श्री मोती राम, सदस्य, वार्ड नं० 1, ग्राम पंचायत कमाह ने अपनी दूसरी जीवित सन्तान के होते हुए दिनांक 19-3-2002 को तीसरी सन्तान पैदा करके हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(1) (ण) की उल्लंघना की है इस सम्बन्ध में उसे इस कार्यालय के पत्र संख्या पी सी एच-एस एम एल (दो बच्चे)/2002-265-71, दिनांक 5-8-2003 के अन्तर्गत जारी नोटिस अनुसार अपना पक्ष प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया था।

यह कि उक्त श्री मोती राम, सदस्य, ग्राम पंचायत, कमांह को इस कार्यालय द्वारा जारी उक्त नोटिस के सम्बन्ध में उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है जबकि विहित अवधि भी समाप्त हो चुकी है। इससे स्पष्ट है कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ भी नहीं कहना है।

यह कि खण्ड विकास अधिकारी, ठियोग की रिपोर्ट अनुसार उक्त श्री मोती राम, सदस्य, वार्ड नं० 1, ग्राम पंचायत कमांह, की तीसरी सन्तान उत्पन्न हुई है। जिससे स्पष्ट होता है कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(1) तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 की धारा 19 द्वारा अन्त स्थापित खण्ड (ण) की उल्लंघना करते हुए 8-6-2001 के पश्चात् अर्थात् 18-3-2002 को तीसरी सन्तान पैदा करके वह उक्त ग्राम पंचायत के सदस्य पद पर बने रहने के लिए निरहित हो गया है।

अतः मैं, एस० के० बी० एस० नेगी, उपायुक्त, शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(2) के अन्तर्गत निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की संशोधित धारा 122(1)(ण) की उल्लंघना करने पर श्री मोती राम, सदस्य, वार्ड संख्या 1, ग्राम पंचायत, कमांह को ग्राम पंचायत सदस्य पद पर बने रहने के लिए अयोग्य घोषित करता हूँ तथा उक्त अधिनियम की धारा 131(2) के अन्तर्गत ग्राम पंचायत, कमांह के वार्ड संख्या 1 के सदस्य पद को रिक्त घोषित कर यह आदेश देता हूँ कि उसके पास ग्राम पंचायत की किसी भी प्रकार की कोई देनदारी हो तो उसे तुरन्त सम्बन्धित ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी अथवा पंचायत सहायक, ग्राम पंचायत कमांह को सौंप दे।

शिमला-1, 29 सितम्बर, 2003

संख्या पी सी एच-एस एम एल (दो बच्चे)/2002-9001-08.—यह कि खण्ड विकास अधिकारी मशोबरा से प्राप्त सूचना अनुसार श्री रत्न सिंह, सदस्य, वार्ड नं० 4, ग्राम पंचायत कुफरी-श्वाह ने अपनी दूसरी जीवित सन्तान के होते हुए दिनांक 3-11-2002 को तीसरी सन्तान पैदा करके हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(1)(ण) की उल्लंघना की है इस सम्बन्ध में उसे इस कार्यालय के पत्र संख्या पी सी एच-एस एम एल (दो बच्चे)/2002-300-06, दिनांक 5-8-2003 के अन्तर्गत जारी नोटिस अनुसार अपना पक्ष प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया था।

यह कि उक्त श्री रत्न सिंह, सदस्य, ग्राम पंचायत, कुफरी-श्वाह को इस कार्यालय द्वारा जारी उक्त नोटिस के सम्बन्ध में उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है जबकि विहित अवधि भी समाप्त हो चुकी है। इससे स्पष्ट है कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ भी नहीं कहना है।

यह कि खण्ड विकास अधिकारी, मशोबरा की रिपोर्ट अनुसार उक्त श्री रत्न सिंह, सदस्य, वार्ड नं० 4, ग्राम पंचायत कुफरी-श्वाह, की तीसरी सन्तान उत्पन्न हुई है। जिससे स्पष्ट होता है कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(1) तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 की धारा 19 द्वारा अन्त स्थापित खण्ड (ण) की उल्लंघना करते हुये 8-6-2001 के पश्चात् अर्थात् 3-11-2002 को तीसरी सन्तान पैदा करके वह उक्त ग्राम पंचायत के सदस्य पद पर बने रहने से लिये निरहित हो गया है।

अतः मैं, एस० के० बी० एस० नेगी, उपायुक्त, शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(2) के अन्तर्गत निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुये, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की संशोधित धारा 122(1)(ण) की उल्लंघना करने पर श्री रत्न सिंह, सदस्य, वार्ड संख्या 4, ग्राम पंचायत, कुफरी-श्वाह को ग्राम पंचायत सदस्य पद पर बने रहने के लिये अयोग्य घोषित करता हूँ तथा उक्त अधिनियम की धारा 131(2) के अन्तर्गत ग्राम पंचायत कुफरी-श्वाह के वार्ड संख्या 4 के सदस्य पद को रिक्त घोषित कर यह आदेश देता हूँ कि उसके पास ग्राम पंचायत की किसी भी प्रकार

की कोई देनदारी हो तो उसे तुरन्त सम्बन्धित ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी अथवा पंचायत सहायक, ग्राम पंचायत कुफरी-ग्वाह को सौंप दे।

शिमला-1, 29 सितम्बर, 2003

संख्या पी सी एच-एस एम एल (दो बच्चे)/2002-7035-42.—यह कि खण्ड विकास अधिकारी नारकण्डा से प्राप्त सूचना अनुसार श्री रमेश चन्द, सदस्य, वार्ड नं० 3, ग्राम पंचायत कांगल ने अपनी तीन जीवित सन्तान के होते हुए दिनांक 18-5-2002 को चौथी सन्तान पैदा करके हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) (ण) की उल्लंघना की है इस सम्बन्ध में उसे इस कार्यालय के पत्र संख्या पीसीएच-एसएमएल (दो बच्चे)/2002-307-13, दिनांक 5-8-2003 के अन्तर्गत जारी नोटिस अनुसार अपना पक्ष प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया था।

यह कि उक्त श्री रमेश चन्द, ग्राम पंचायत कांगल ने इस कार्यालय द्वारा जारी उक्त नोटिस के सम्बन्ध में अपना कोई भी स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं किया है। जबकि 15 दिनों की विहित अवधि भी समाप्त हो चुकी है, इससे यह स्पष्ट है कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है।

यह कि खण्ड विकास अधिकारी, नारकण्डा की रिपोर्ट अनुसार उक्त श्री रमेश चन्द, सदस्य, वार्ड नं० 3, ग्राम पंचायत कांगल, की चौथी सन्तान उत्पन्न हुई है। जिससे स्पष्ट होता है कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) तथा हि० प्र० पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 की धारा 19 द्वारा अन्तःस्थापित खण्ड (ण) की उल्लंघना करते हुये 8-6-2001 के पश्चात अर्थात् 18-5-2002 को चौथी सन्तान पैदा करके वह उक्त ग्राम पंचायत के सदस्य पद पर बने रहने के लिये निरहित हो गया है।

अतः मैं, एस० के० बी० एस० नेगी, उपायुक्त, शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (2) के अन्तर्गत निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुये, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की संशोधित धारा 122 (1) (ण) की उल्लंघना करने पर श्री रमेश चन्द, सदस्य, वार्ड संख्या 3, ग्राम पंचायत कांगल को ग्राम पंचायत सदस्य पद पर बने रहने के लिये आयोज्य घोषित करता हूँ तथा उक्त अधिनियम की धारा 131 (2) के अन्तर्गत ग्राम पंचायत कांगल के वार्ड संख्या 3 के सदस्य पद को रिक्त घोषित कर यह आदेश देता हूँ कि उसके पास ग्राम पंचायत की किसी भी प्रकार की कोई देनदारी हा तो उसे तुरन्त सम्बन्धित ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी अथवा पंचायत सहायक, ग्राम पंचायत कांगल को सौंप दे।

शिमला-1, 29 सितम्बर, 2003

संख्या पी सी एच-एस एम एल (दो बच्चे)/2002-8002-09.—यह कि खण्ड विकास अधिकारी रामपुर से प्राप्त सूचना अनुसार श्री पवन कुमार, सदस्य वार्ड नं० 3, ग्राम पंचायत लवाणा-सदाणा ने अपनी तीन जीवित सन्तान के होते हुए दिनांक 23-8-2001 को चौथी सन्तान पैदा करके हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) (ण) की उल्लंघना की है इस सम्बन्ध में उसे इस कार्यालय के पत्र संख्या पी सी एच-एस एम एल (दो बच्चे)/2002-184-90, दिनांक 14-7-2003 के अन्तर्गत जारी नोटिस अनुसार अपना पक्ष प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया था।

यह कि उक्त श्री पवन कुमार, सदस्य, ग्राम पंचायत, लवाणा-सदाणा ने इस कार्यालय द्वारा जारी उक्त नोटिस के सम्बन्ध में अपना कोई भी स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं किया है। जबकि 15 दिनों की विहित अवधि भी समाप्त हो चुकी है, इससे यह स्पष्ट है कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है।

यह कि खण्ड विकास अधिकारी, रामपुर की रिपोर्ट अनुसार उक्त श्री पवन कुमार, सदस्य, वार्ड नं० 3, ग्राम पंचायत, लवाणा-सदाणा, की चौथी सन्तान उत्पन्न हुई है। जिससे स्पष्ट होता है कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 की धारा 19 द्वारा अन्तःस्थापित खण्ड (ण) की उल्लंघना करते हुये 8-6-2001 के पश्चात् अर्थात् 23-8-2001 को चौथी संतान पैदा करके वह उक्त ग्राम पंचायत के सदस्य पद पर बने रहने के लिये निरहित हो गया है।

अतः मैं, एस० के० बी० एस० नेगी, उपायुक्त, शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (2) के अन्तर्गत निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुये, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की संशोधित धारा 122 (1) (ण) की उल्लंघना करने पर श्री पवन कुमार, सदस्य, वार्ड संख्या 3, ग्राम पंचायत लवाणा-सदाणा को ग्राम पंचायत सदस्य पद पर बने रहने के लिये अयोग्य घोषित करता हूँ तथा उक्त अधिनियम की धारा 131 (2) के अन्तर्गत ग्राम पंचायत, लवाणा-सदाणा के वार्ड संख्या 3 के सदस्य पद को रिक्त घोषित कर यह आदेश देता हूँ कि उसके पास ग्राम पंचायत की किसी भी प्रकार की कोई देनदारी हो तो उसे तुरन्त सम्बन्धित ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी अथवा पंचायत सहायक, ग्राम पंचायत लवाणा-सदाणा को सौंप दे।

शिमला-1, 29 सितम्बर, 2003

संख्या पी सी एच-एस एम एल (दो बच्चे)/2002-7043-50.—यह कि खण्ड विकास अधिकारी बसन्तपुर से प्राप्त सूचना अनुसार श्री राजेन्द्र वर्मा, सदस्य, वार्ड नं० 4, ग्राम पंचायत डूमी ने अपनी दो जीवित सन्तान के होते हुए, दिनांक 27-6-2001 को तीसरी सन्तान पैदा करके, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) (ण) की उल्लंघना की है। इस सम्बन्ध में उसे इस कार्यालय के पत्र संख्या पी सी एच-एस एम एल (दो बच्चे)/2002-321-27, दिनांक 5-8-2003 के अन्तर्गत जारी नोटिस अनुसार अपना पक्ष प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया था।

यह कि उक्त श्री राजेन्द्र वर्मा, सदस्य, ग्राम पंचायत डूमी ने इस कार्यालय द्वारा जारी उक्त नोटिस के सम्बन्ध में अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं किया है जबकि 15 दिनों की विहित अवधि भी समाप्त हो चुकी है, इससे स्पष्ट होता है कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है।

यह कि खण्ड विकास अधिकारी, बसन्तपुर की रिपोर्ट अनुसार उक्त श्री राजेन्द्र वर्मा, सदस्य, वार्ड नं० 4, ग्राम पंचायत डूमी की तीसरी सन्तान उत्पन्न हुई है। जिससे स्पष्ट होता है कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 की धारा 19 द्वारा अन्तःस्थापित खण्ड (ण) की उल्लंघना करते हुये 8-6-2001 के पश्चात् अर्थात् 27-6-2001 को तीसरी सन्तान पैदा करके वह उक्त ग्राम पंचायत के सदस्य पद पर बने रहने के लिये निरहित हो गया है।

अतः मैं, एस० के० बी० एस० नेगी, उपायुक्त, शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (2) के अन्तर्गत निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की संशोधित धारा 122 (1) (ण) की उल्लंघना करने पर श्री राजेन्द्र वर्मा, सदस्य, वार्ड संख्या 4, ग्राम पंचायत डूमी को ग्राम पंचायत सदस्य पद पर बने रहने के लिए अयोग्य घोषित करता हूँ तथा उक्त अधिनियम की धारा 131 (2) के अन्तर्गत ग्राम पंचायत डूमी के वार्ड संख्या 4 के सदस्य पद को रिक्त घोषित कर यह आदेश देता हूँ कि उसके पास ग्राम पंचायत की किसी भी प्रकार की कोई देनदारी हो तो उसे तुरन्त सम्बन्धित ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी अथवा पंचायत सहायक, ग्राम पंचायत डूमी को सौंप दे।

शिमला-1, 29 सितम्बर, 2003

संख्या पी सी एच-एस एम एल (दो बच्चे)/2002-7051-58.—यह कि खण्ड विकास अधिकारी बसन्तपुर से प्राप्त सूचना अनुसार श्री नोब राम, सदस्य, वार्ड नं० 4, ग्राम पंचायत बसन्तपुर ने अपनी पांच

जीवित सन्तान के होते हुए दिनांक 6-3-2002 को छठी सन्तान पैदा करके हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(1)(ण) की उल्लंघना की है इस सम्बन्ध में उसे इस कार्यालय के पत्र संख्या पीसीएच-एसएमएल (दो बच्चे)/2002-328-34, दिनांक 5-8-2003 के अन्तर्गत जारी नोटिस अनुसार अपना पक्ष प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया था।

यह कि उक्त श्री नोख राम, सदस्य, ग्राम पंचायत, बसन्तपुर ने इस कार्यालय द्वारा जारी उक्त नोटिस के सम्बन्ध में अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं किया है जबकि 15 दिनों की विहित अवधि भी समाप्त हो चुकी है, इससे स्पष्ट है कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है।

यह कि खण्ड विकास अधिकारी, बसन्तपुर की रिपोर्ट अनुसार उक्त श्री नोख राम, सदस्य, वार्ड नं० 4, ग्राम पंचायत, बसन्तपुर, की छठी सन्तान उत्पन्न हुई। जिससे स्पष्ट होता है कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(1) तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 की धारा 19 द्वारा अन्तःस्थापित खण्ड (ण) की उल्लंघना करते हुए 8-6-2001 के पश्चात अर्थात् 6-3-2002 को छठी सन्तान पैदा करके वह उक्त ग्राम पंचायत के सदस्य पद पर बने रहने के लिए निरहित हो गया है।

अतः मैं, एस० के० बी० एस० नेगी, उपायुक्त, शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(2) के अन्तर्गत निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की संशोधित धारा 122(1) (ण) की उल्लंघना करने पर श्री नोख राम, सदस्य, वार्ड संख्या 4 ग्राम पंचायत, बसन्तपुर को ग्राम पंचायत सदस्य पद पर बने रहने के अयोग्य घोषित करता हूँ तथा उक्त अधिनियम की धारा 131(2) के अन्तर्गत ग्राम पंचायत, बसन्तपुर के वार्ड संख्या 4 के सदस्य पद को रिक्त घोषित कर यह आदेश देता हूँ कि उसके पास ग्राम पंचायत की किसी भी प्रकार की कोई देन-दारी हो तो उसे तुरन्त सम्बन्धित ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी अथवा पंचायत महायक, ग्राम पंचायत बसन्तपुर को सौंप दें।

शिमला-1, 29 नवम्बर, 2003

संख्या पीसीएच-एसएमएल (दो बच्चे)/2002-7059-66.—यह कि खण्ड विकास अधिकारी बसन्तपुर ने प्राप्त सूचना अनुसार श्रीमती तारा वती, सदस्या, वार्ड नं० 3, ग्राम पंचायत घैणी ने अपनी तीसरी जीवित सन्तान के होते हुए दिनांक 25-6-2002 को चौथी सन्तान पैदा करके हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(1) (ण) की उल्लंघना की है इस सम्बन्ध में उसे इस कार्यालय के पत्र संख्या पीसीएच-एसएमएल (दो बच्चे)/2002-342-48, दिनांक 5-8-2003 के अन्तर्गत जारी नोटिस अनुसार अपना पक्ष प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया था।

यह कि उक्त श्रीमती तारा वती, सदस्या, ग्राम पंचायत, घैणी ने इस कार्यालय द्वारा जारी उक्त नोटिस के सम्बन्ध में अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं किया है जबकि 15 दिनों की विहित अवधि भी समाप्त हो चुकी है, इससे स्पष्ट है कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है।

यह कि खण्ड विकास अधिकारी, बसन्तपुर की रिपोर्ट अनुसार उक्त श्रीमती तारा वती, सदस्या, वार्ड नं० 3, ग्राम पंचायत घैणी की चौथी सन्तान उत्पन्न हुई है। जिससे स्पष्ट होता है कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(1) तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 की धारा 19 द्वारा अन्तःस्थापित खण्ड (ण) की उल्लंघना करते हुए 8-6-2001 के पश्चात अर्थात् 25-6-2002 को चौथी सन्तान पैदा करके वह उक्त ग्राम पंचायत के सदस्या पद पर बने रहने के लिए निरहित हो गई है।

अतः मैं, एस० के० बी० एस० नेगी, उपायुक्त, शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(2) के अन्तर्गत निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश

पंचायती राज अधिनियम की संशोधित धारा 122(1) (ण) की उल्लंघना करने पर श्रीमती तारा बती, सदस्या, वार्ड संख्या 3, ग्राम पंचायत, घैणी को ग्राम पंचायत सदस्या पद पर बने रहने के लिए अयोग्य घोषित करता हूं तथा उक्त अधिनियम की धारा 131(2) के अन्तर्गत ग्राम पंचायत, घैणी के वार्ड संख्या 3 के सदस्या पद को रिक्त घोषित कर यह आदेश देता हूं कि उसके पास ग्राम पंचायत की किसी भी प्रकार की कोई देनदारी हो तो उसे तुरन्त सम्बन्धित ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी अथवा पंचायत सहायक, ग्राम पंचायत घैणी को सौंप दे।

शिमला-1, 29 सितम्बर, 2003

संख्या पीसीएच-एसएमएल (दो बच्चे)/2002-7067-74.—यह कि खण्ड विकास अधिकारी, बसन्तपुर से प्राप्त सूचना अनुसार श्रीमती गुड्डी देवी, सदस्या वार्ड नं० 2, ग्राम पंचायत शकरोड़ी ने अपनी तीसरी जीवित सन्तान के होते हुए दिनांक 24-10-2002 को चौथी सन्तान पैदा करके हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(1) (ण) की उल्लंघना की है इस सम्बन्ध में उसे इस कार्यालय के पत्र संख्या पीसीएच-एसएमएल (दो बच्चे)/2002-349-55, दिनांक 5-8-2003 के अन्तर्गत जारी नोटिस अनुसार अपना पक्ष प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया था।

यह कि उक्त श्रीमती गुड्डी देवी, सदस्या, ग्राम पंचायत शकरोड़ी ने इस कार्यालय द्वारा जारी उक्त नोटिस के सम्बन्ध में अपना स्पष्टीकरण में माना है उन्होंने हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) (ण) की उल्लंघना पर अपनी स्वेच्छा से त्याग-पत्र दे दिया है।

यह कि खण्ड विकास अधिकारी, बसन्तपुर की रिपोर्ट अनुसार उक्त श्रीमती गुड्डी देवी, सदस्या, वार्ड नं० 2, ग्राम पंचायत शकरोड़ी, की चौथी सन्तान उत्पन्न हुई है। जिससे स्पष्ट होता है कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) तथा हि० प्र० पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 की धारा 19 द्वारा अन्न स्थापित खण्ड (ण) की उल्लंघना करते हुए 8-6-2001 के पश्चात अर्थात् 24-10-2002 को चौथी सन्तान पैदा करके वह उक्त ग्राम पंचायत के सदस्या पद पर बने रहने के लिए निरहित हो गई है।

अतः मैं, एम० के० बी० एस० नेगी, उपायुक्त, शिमला, जिला शिमला, हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(2) के अन्तर्गत निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की संशोधित धारा 122(1) (ण) की उल्लंघना करने पर श्रीमती गुड्डी देवी, सदस्या, वार्ड संख्या 2, ग्राम पंचायत शकरोड़ी को ग्राम पंचायत सदस्या पद पर बने रहने के लिए अयोग्य घोषित करता हूं तथा उक्त अधिनियम की धारा 131(2) के अन्तर्गत ग्राम पंचायत शकरोड़ी, के वार्ड संख्या 2 के सदस्या पद को रिक्त घोषित कर यह आदेश देता हूं कि उसके पास ग्राम पंचायत की किसी भी प्रकार की कोई देनदारी हो तो उसे तुरन्त सम्बन्धित ग्राम पंचायत एवं विकास खण्ड अधिकारी अथवा पंचायत सहायक, ग्राम पंचायत शकरोड़ी को सौंप दे।

शिमला-1, 29 सितम्बर, 2003

संख्या पीसीएच-एसएमएल (दो बच्चे)/2002-7075-82.—यह कि खण्ड विकास अधिकारी, बसन्तपुर से प्राप्त सूचना अनुसार श्रीमती अनीता देवी, सदस्या, वार्ड नं० 5, ग्राम पंचायत नालदेहरा ने अपनी दो जीवित सन्तान के होते हुए दिनांक 28-6-2002 को तीसरी सन्तान पैदा करके हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) (ण) की उल्लंघना की है इस सम्बन्ध में उसे इस कार्यालय के पत्र संख्या पीसीएच-एसएमएल (दो बच्चे)/2002-314-20, दिनांक 5-8-2003 के अन्तर्गत जारी नोटिस अनुसार अपना पक्ष प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया था।

यह कि उक्त श्रीमती अनीता देवी, सदस्या, ग्राम पंचायत नालदेहरा ने इस कार्यालय द्वारा जारी उक्त नोटिस के सम्बन्ध में अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं किया है जबकि 15 दिनों की विहित अवधि भी समाप्त हो चुकी है, इससे स्पष्ट है कि उन्हें अपने पत्र में कुछ नहीं कहना है ।

यह कि खण्ड विकास अधिकारी, बसन्तपुर की रिपोर्ट अनुसार उक्त श्रीमती अनीता देवी, सदस्या, वार्ड नं० 5, ग्राम पंचायत नालदेहरा, की तीसरी सन्तान उत्पन्न हुई है । जिससे स्पष्ट होता है कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(1) तथा हि० प्र० पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 की धारा 19 द्वारा अन्त स्थापित खण्ड (ण) की उल्लंघना करते हुये 8-6-2001 के पश्चात अर्थात् 28-6-2002 को तीसरी सन्तान पैदा करके वह उक्त ग्राम पंचायत के सदस्या पद पर बने रहने के लिए निरहित हो गई हैं ।

अतः मैं, एस० के० बी० एस० नेगी, उपायुक्त, शिमला, जिला शिमला, हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (2) के अन्तर्गत निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की संशोधित धारा 122(1) (ण) की उल्लंघना करने पर श्रीमती अनीता देवी, सदस्या, वार्ड संख्या 5, ग्राम पंचायत नालदेहरा को ग्राम पंचायत सदस्या पद पर बने रहने के लिए अयोग्य घोषित करता हूँ तथा उक्त अधिनियम की धारा 131(2) के अन्तर्गत ग्राम पंचायत, नालदेहरा के वार्ड संख्या 5 के सदस्या पद को रिक्त घोषित कर यह आदेश देता हूँ कि उसके पास ग्राम पंचायत की किसी भी प्रकार की कोई देनदारी हो तो उसे तुरन्त सम्बन्धित ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी अथवा पंचायत सहायक, ग्राम पंचायत नालदेहरा को सौंप दें ।

शिमला-1, 29 सितम्बर, 2003

संख्या पीसीएच-एसएमएल (दो बच्चे)/2002-7086-93.—यह कि खण्ड विकास अधिकारी रामपुर से प्राप्त सूचना अनुसार श्री तुला राम, सदस्य, वार्ड नं० 3, ग्राम पंचायत त्यावल-ज्यूरी ने अपनी दो जीवित सन्तान के होते हुए दिनांक 14-12-2001 को तीसरी सन्तान पैदा करके हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) (ण) की उल्लंघना की है इस सम्बन्ध में उसे इस कार्यालय के पत्र संख्या पीसीएच-एसएमएल (दो बच्चे)/2002-463-68, दिनांक 6-11-2002 के अन्तर्गत जारी नोटिस अनुसार अपना पक्ष प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया था ।

यह कि उक्त श्री तुला राम, सदस्य, ग्राम पंचायत त्यावल-ज्यूरी ने इस कार्यालय द्वारा जारी उक्त नोटिस के सम्बन्ध में अपने उत्तर में स्पष्ट किया है कि उसकी तीसरी सन्तान 14-12-2001 को पैदा हुई है ।

यह कि खण्ड विकास अधिकारी, रामपुर की रिपोर्ट अनुसार श्री तुला राम, सदस्य, वार्ड नं० 3, ग्राम पंचायत त्यावल-ज्यूरी की तीसरी सन्तान उत्पन्न हुई है । जिससे स्पष्ट होता है कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) तथा हि० प्र० पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 की धारा 19 द्वारा अन्त स्थापित खण्ड (ण) की उल्लंघना करते हुये 8-6-2001 के पश्चात अर्थात् 14-12-2001 को तीसरी सन्तान पैदा करके वह उक्त ग्राम पंचायत के सदस्य पद पर बने रहने के लिये निरहित हो गया है ।

अतः मैं, एस० के० बी० एस० नेगी, उपायुक्त, शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (2) के अन्तर्गत निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की संशोधित धारा 122 (1) (ण) की उल्लंघना करने पर श्री तुला राम, सदस्य, वार्ड नं० 3, ग्राम पंचायत त्यावल-ज्यूरी को ग्राम पंचायत सदस्य पद पर बने रहने के लिये अयोग्य घोषित करता हूँ तथा उक्त अधिनियम की धारा 131 (2) के अन्तर्गत ग्राम पंचायत त्यावल-ज्यूरी के वार्ड संख्या 3 के सदस्य पद को रिक्त घोषित कर यह आदेश देता हूँ कि उसके पास ग्राम पंचायत की किसी भी प्रकार की कोई देनदारी हो तो वह उसे तुरन्त सम्बन्धित ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी अथवा पंचायत सहायक, ग्राम पंचायत त्यावल-ज्यूरी को सौंप दें ।

शिमला-1, 29 सितम्बर, 2003

संख्या पीसीएच-एसएमएल (दो बच्चे)/2002-7094-8001.—यह कि खण्ड विकास अधिकारी, रामपुर से प्राप्त सूचना अनुसार श्रीमती कमला देवी, सदस्या, वार्ड नं० 5, ग्राम पंचायत काशापाट ने अपनी दो जीवित सन्तान के होते हुए दिनांक 9-11-2001 को तीसरी सन्तान पैदा करके हि० प्र० पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) (ण) की उल्लंघना की है इस सम्बन्ध में उसे इस कार्यालय के पत्र संख्या पी सीएच-एसएमएल (दो बच्चे)/2002-177-83, दिनांक 14-7-2003 के अन्तर्गत जारी नोटिस अनुसार अपना पक्ष प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया था।

यह कि उक्त श्रीमती कमला देवी, ग्राम पंचायत काशापाट, ने इस कार्यालय द्वारा जारी उक्त नोटिस के सम्बन्ध में अपना कोई भी स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं किया है। जबकि 15 दिनों की विहित अवधि भी समाप्त हो चुकी है। इससे यह स्पष्ट है कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ नहीं कहना है।

यह कि खण्ड विकास अधिकारी, रामपुर की रिपोर्ट अनुसार उक्त श्रीमती कमला देवी, सदस्या, वार्ड नं० 5, ग्राम पंचायत काशापाट की तीसरी सन्तान उत्पन्न हुई है। जिससे स्पष्ट होता है कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 की धारा 19 द्वारा अन्तःस्थापित खण्ड (ण) की उल्लंघना करते हुए 8-6-2001 के पश्चात् अर्थात् 9-11-2001 को तीसरी सन्तान पैदा करके वह उक्त ग्राम पंचायत के सदस्या पद पर बने रहने के लिए निरहित हो गई है।

अतः मैं, एस० के० बी० एस० नेगी, उपायुक्त, शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (2) के अन्तर्गत निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की संशोधित धारा 122 (1) (ण) की उल्लंघना करने पर श्रीमती कमला देवी, सदस्या, वार्ड नं० 5, ग्राम पंचायत काशापाट को ग्राम पंचायत सदस्या पद पर बने रहने के लिए आयोग्य घोषित करता हूँ तथा उक्त अधिनियम की धारा 131 (2) के अन्तर्गत ग्राम पंचायत, काशापाट के वार्ड नं० 5 के सदस्या पद को रिक्त घोषित कर यह आदेश देता हूँ कि उसके पास ग्राम पंचायत की किसी भी प्रकार की कोई देनदारी हो तो उसे तुरन्त सम्बन्धित ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी अथवा पंचायत सहायक, ग्राम पंचायत काशापाट को सौंप दे।

शिमला-1, 30 सितम्बर, 2003

संख्या पीसीएच-एसएमएल (दो बच्चे)/2002-9009-16.—यह कि खण्ड विकास अधिकारी मशोबरा से प्राप्त सूचना अनुसार श्री महेश चन्द, सदस्य, वार्ड नं० 3, ग्राम पंचायत चमियाना ने अपनी दूसरी जीवित सन्तान के होते हुए दिनांक 16-10-2001 को तीसरी सन्तान पैदा करके हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(1) (ण) की उल्लंघना की है इस सम्बन्ध में उसे इस कार्यालय के पत्र संख्या पीसीएच-एसएमएल (दो बच्चे)/2002-293-99, दिनांक 5-8-2003 के अन्तर्गत जारी नोटिस अनुसार अपना पक्ष प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया था।

यह कि उक्त श्री महेश चन्द, सदस्य, ग्राम पंचायत चमियाना को इस कार्यालय द्वारा जारी उक्त नोटिस के सम्बन्ध में उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है जबकि विहित अवधि भी समाप्त हो चुकी है। इससे स्पष्ट है कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ भी नहीं कहना है।

यह कि खण्ड विकास अधिकारी, मशोबरा की रिपोर्ट अनुसार उक्त श्री महेश चन्द, सदस्य, वार्ड नं० 3, ग्राम पंचायत चमियाना की तीसरी सन्तान उत्पन्न हुई है। जिससे स्पष्ट होता है कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(1) तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 की धारा 19 द्वारा अन्तःस्थापित खण्ड (ण) की उल्लंघना करते हुये 8-6-2001 के पश्चात् अर्थात् 16-10-2001 को तीसरी सन्तान पैदा करके वह उक्त ग्राम पंचायत के सदस्य पद पर बने रहने के लिये निरहित हो गया है।

अतः मैं, एस0 के0 बी0 एस0 नेगी, उपायुक्त, शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122(2) के अन्तर्गत निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुये, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम को संशोधित धारा 122(1) (ण) की उल्लंघना करने पर श्री महेश चन्द, सदस्य, वार्ड संख्या 3, ग्राम पंचायत चमियाना को ग्राम पंचायत सदस्य पद पर बने रहने के लिये आयोग्य घोषित करता हूँ तथा उक्त अधिनियम की धारा 131(2) के अन्तर्गत ग्राम पंचायत चमियाना के वार्ड संख्या 2 के सदस्य पद को रिक्त घोषित कर यह आदेश देता हूँ कि उसके पास ग्राम पंचायत की किसी भी प्रकार की कोई देनदारी हो तो उसे तुरन्त सम्बन्धित ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी अथवा पंचायत सहायक, ग्राम पंचायत चमियाना को सौंप दे।

शिमला-1, 30 सितम्बर, 2003

संख्या पीसीएच-एसएमएल (दो बच्चे)/2002-9017-24.--यह कि खण्ड विकास अधिकारी मशोबरा से प्राप्त सूचना अनुसार श्री प्रेम दास, वार्ड नं0 3, ग्राम पंचायत जनेडघाट ने अपनी तीसरी जीवित सन्तान के होते हुये दिनांक 8-11-2001 को चौथी सन्तान पैदा करके हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) (ण) की उल्लंघना की है इस सम्बन्ध में उसे इस कार्यालय के पत्र संख्या पीसीएच-एसएमएल (दो बच्चे)/2002-272-78, दिनांक 5-8-2003 के अन्तर्गत जारी नोटिस अनुसार अपना पक्ष प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया गया था।

यह कि उक्त श्री प्रेम दास, सदस्य, ग्राम पंचायत जनेडघाट को इस कार्यालय द्वारा जारी उक्त नोटिस के सम्बन्ध में उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है जबकि विहित अवधि भी समाप्त हो चुकी है। इससे स्पष्ट है कि उन्हें अपने पक्ष में कुछ भी नहीं कहना है।

यह कि खण्ड विकास अधिकारी, मशोबरा की रिपोर्ट अनुसार उक्त श्री प्रेम दास, सदस्य, वार्ड नं0 3, ग्राम पंचायत जनेडघाट, की चौथी सन्तान उत्पन्न हुई है। जिससे स्पष्ट होता है कि हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (1) तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2000 की धारा 19 द्वारा अन्तःस्थापित खण्ड (ण) की उल्लंघना करते हुए 8-6-2001 के पश्चात् 8-11-2001 को चौथी सन्तान पैदा करके वह ग्राम पंचायत के सदस्य पद पर बने रहने के लिए निरहित हो गया है।

अतः मैं, एस0 के0 बी0 एस0 नेगी, उपायुक्त, शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 122 (2) के अन्तर्गत निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुये, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम की संशोधित धारा 122 (1) (ण) की उल्लंघना करने पर श्री प्रेम दास, सदस्य, वार्ड संख्या 3, ग्राम पंचायत जनेडघाट को ग्राम पंचायत सदस्य पद पर बने रहने के लिये आयोग्य घोषित करता हूँ तथा उक्त अधिनियम की धारा 131 (2) के अन्तर्गत ग्राम पंचायत जनेडघाट के वार्ड संख्या 3 के सदस्य पद को रिक्त घोषित कर यह आदेश देता हूँ कि उसके पास ग्राम पंचायत की किसी भी प्रकार की कोई देनदारी हो तो उसे तुरन्त सम्बन्धित ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी अथवा पंचायत सहायक, ग्राम पंचायत जनेडघाट को सौंप दें।

शिमला-1, 30 सितम्बर, 2003

संख्या पीसीएच-एसएमएल (त्याग-पत्र) 8/2003-9059-64.--यह कि ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी की रिपोर्ट अनुसार श्री शूरवीर सिंह, सदस्य, ग्राम पंचायत सरस्वती नगर, विकास खण्ड जुब्बल का देहान्त 22-9-2001 को हो चुका है। खण्ड विकास अधिकारी, जुब्बल के दूरभाष सन्देश अनुसार मृत्यु प्रमाण-पत्र फॉक्स द्वारा 20-9-2003 को भेजा गया है। जिस कारण ग्राम पंचायत सरस्वती नगर के सदस्य पद को रिक्त करने की सिफारिश की है।

अन: मैं, एस0 के0 बी0 एस0 नेगी, उपायुक्त, शिमला, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 131(4) के अन्तर्गत विहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री शूरवीर सिंह, सदस्य ग्राम पंचायत सरस्वती नगर, विकास खण्ड जुब्बल-कोटखाई के पद को रिक्त घोषित करता हूँ।

एस0 के0 बी0 एस0 नेगी,
उपायुक्त,
शिमला, जिला शिमला (हि0 प्र0)।